PENINSULA PLATEAU

भारत का उत्तरी विशाल मैदान

Northern vast plains of india

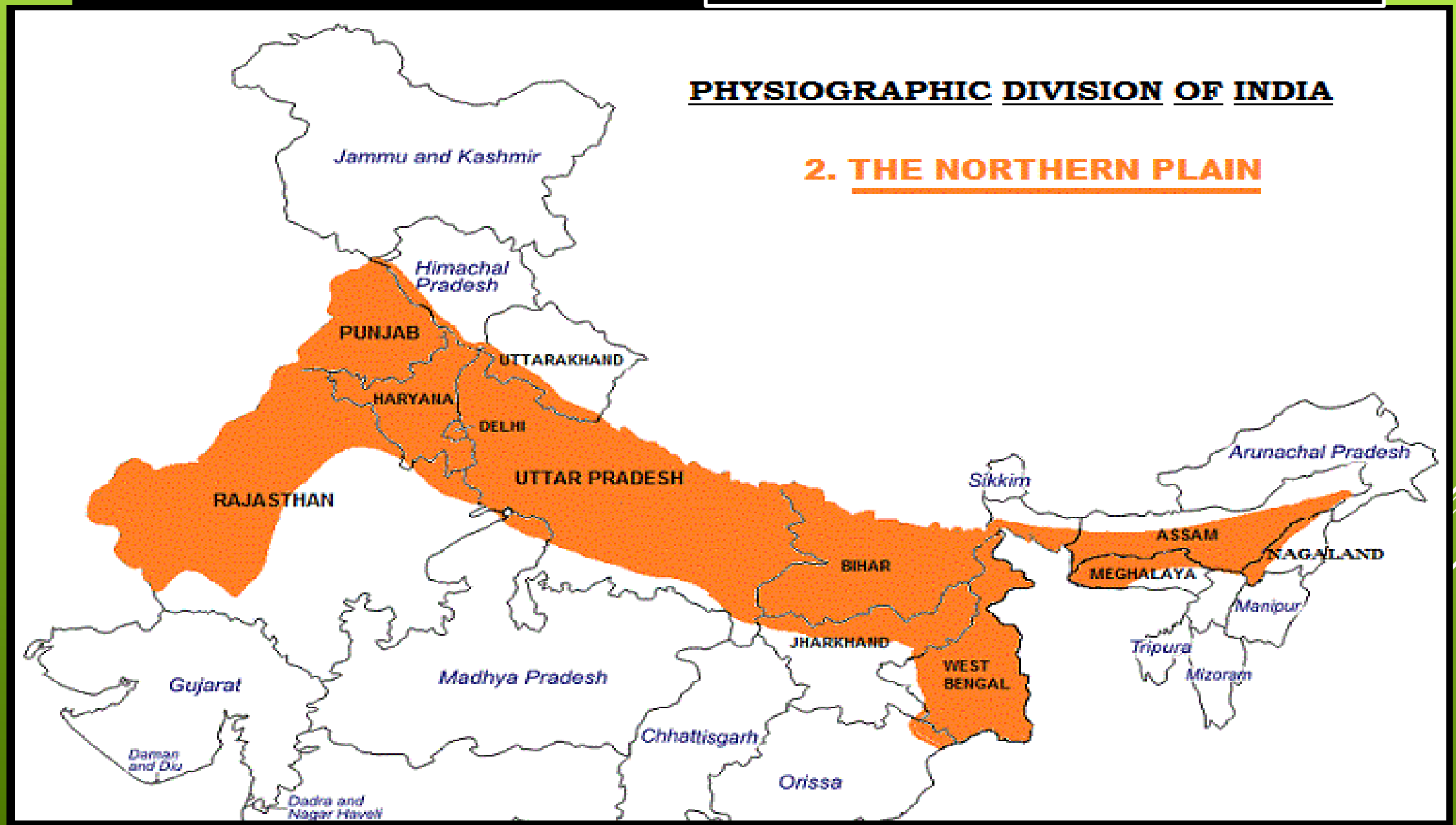

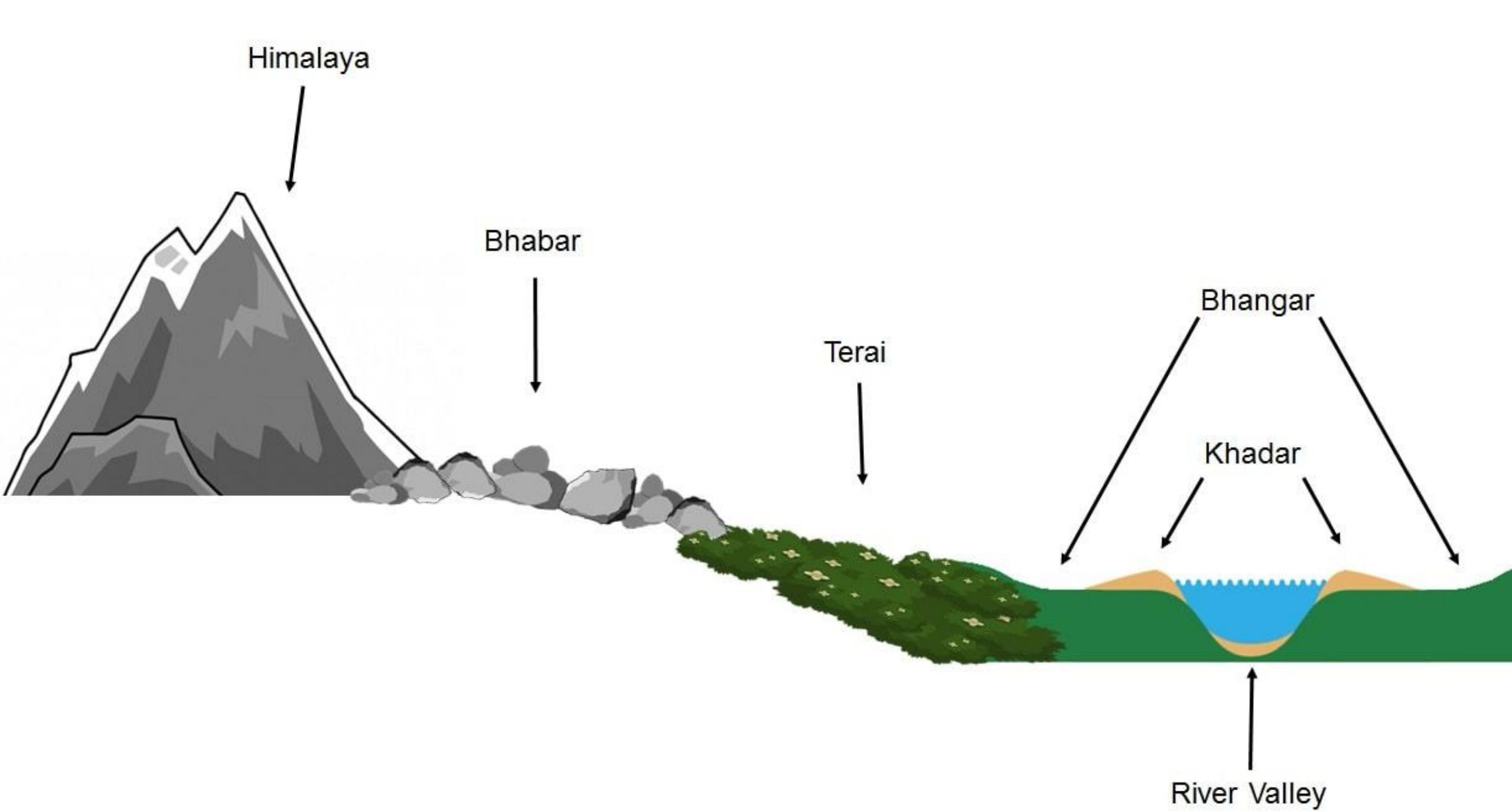
Himalaya
Bhabar
Terai
Bhangar
Khadar
River Valley

सिन्धु-गंगा के मैदानी इलाके, जिन्हें "ग्रेट प्लेन" भी कहा जाता है, सिन्धु तथा गंगा-ब्रह्मपुत्र नदियों के घास के विशाल मैदान हैं। ये पश्चिम में जम्मू व कश्मीर से लेकर पूर्व में असम तक हिमालय पर्वतों के समानांतर स्थित हैं तथा उत्तरी तथा पूर्वी भारत के अधिकांश क्षेत्रों तक फैले हैं। इन मैदानी इलाकों का क्षेत्रफल लगभग 700,000 वर्ग किमी (2,70,000 वर्ग मील) है और लंबाई के अनुसार चौड़ाई में कई सौ किलोमीटर तक का अंतर है। इस क्षेत्र की प्रमुख नदियां गंगा एवं सिंधु और उनकी सहायक नदियां - व्यास, यमुना, गोमती, रावी, चंबल, सतलुज और चिनाब हैं

The Indus-Gangetic plains, also known as the "Great Plains", are vast grasslands of the Indus and Ganga-Brahmaputra rivers. They lie parallel to the Himalayan mountains from Jammu and Kashmir in the west to Assam in the east and extend to most areas of northern and eastern India. The area of these plains is approximately 700,000 sq km (2,70,000 sq mi) and varies in width by several hundred kilometers by length

The major rivers of this region are Ganga and Indus and their tributaries - Vyas, Yamuna, Gomti, Ravi, Chambal, Sutlej and Chenab

दक्षिण एशिया तक सिन्धु-गंगा मैदानों का विस्तार.इन विशाल मैदानों को कभी-कभी चार खण्डों में वर्गीकृत किया जाता है

भाबर क्षेत्र - हिमालय की तलहटी से सटा है और नदी की धाराओं के साथ नीचे लाए गए कंकड़ों और पत्थरों से बना है। चूंकि इस क्षेत्र की सरंध्रता बहुत अधिक है, अतः धारा भूमिगत रूप से प्रवाहित होती है। भाबर क्षेत्र आम तौर पर 7-15 किलोमीटर तक संकरा है।

The extension of the Indus-Gangetic plains to South Asia. These vast plains are sometimes classified into four sections:

Bhabar region - adjoining the foothills of the Himalayas and is made up of pebbles and stones brought down along the river currents. Since the porosity of this region is very high, the stream flows underground. The Bhabar region is generally narrow by 7–15 km.

(भौतिक संरचना)

भाबर और तराई

FALTA.COM
An Initiative by अमरउजाला

तराई क्षेत्र - भाबर क्षेत्र के बाद आता है और नवीन जलोढ़ मिट्टी से बना हुआ है। भूमिगत धाराएं इस क्षेत्र में फिर से प्रकट होती हैं। यह क्षेत्र जरूरत से ज्यादा नम और सघन वनों से आच्छादित है। इस क्षेत्र में साल भर भारी वर्षा होती है और यहां विविध प्रकार के वन्य जीव बहुतायत में पाए जाते हैं।

The Terai region - comes after the Bhabar region and is made of new alluvial soil. Underground currents reappear in this area. This area is excessively moist and covered with dense forests. The region receives heavy rainfall throughout the year and a wide variety of wildlife are found here.

बांगड़ क्षेत्र - पुरानी जलोढ़ मिट्टी से बना होता है और बाढ़ के मैदानों के जलोढ़ कगार का निर्माण करता है। गंगा के मैदानों में, इसकी निचली परत लेटराइट के भंडार से ढकी है।

Bangar region - made up of old alluvial soil and forms the alluvial ledge of the flood plains. In the Gangetic plains, its lower layer is covered with laterite deposits.

खादर क्षेत्र - बांगड़ इलाके के बाद अपेक्षाकृत निचली भूमि पर स्थित है।
यह अपेक्षाकृत नई व ताजा जलोढ़ मिटटी से बना है
जो मैदान में नीचे कीओर बहने वाली नदियों द्वारा इकठ्ठा होती है।

Khadar region - situated on a relatively low land after Bangar area.
It is made of relatively new and fresh alluvial soil
Which is collected by rivers flowing down the ground in the field.

मेघालय का पठार

मेघालय को अक्सर शिलांग पठार या मेघालय पठार के रूप में जाना जाता है। अन्य बातों के अलावा, मेघालय के भूगोल में उच्चभूमि पठार हैं जो 150 मीटर से 1,961 मीटर के बीच की ऊँचाई पर खड़े हैं। खासी हिल्स केंद्रीय पठारों का एक हिस्सा है, जिसकी ऊंचाई सबसे अधिक है, इसके बाद पूर्वी खंड में जयंतिया हिल्स क्षेत्र शामिल है। मेघालय का सबसे ऊंचा स्थान शिलांग शिखर है, जो खासी पहाड़ियों में 1961 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। पठार का पश्चिमी भाग ज्यादातर मैदानी है और इसमें गारो हिल्स क्षेत्र शामिल है।

Meghalaya Plateau

Meghalaya is often referred to as Shillong Plateau or Meghalaya Plateau. Among other things, Meghalaya's geography consists of highland plateaus that stand at elevations between 150 meters to 1,961 meters. The Khasi Hills is a part of the central plateaus with the highest elevation, followed by the Jaintia Hills region in the eastern section. The highest point of Meghalaya is the Shillong peak, which is situated at an elevation of 1961 meters in the Khasi hills. The western part of the plateau is mostly plains and includes the Garo Hills region.

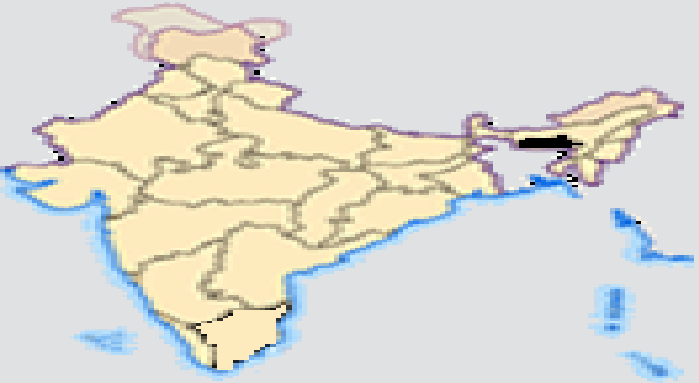

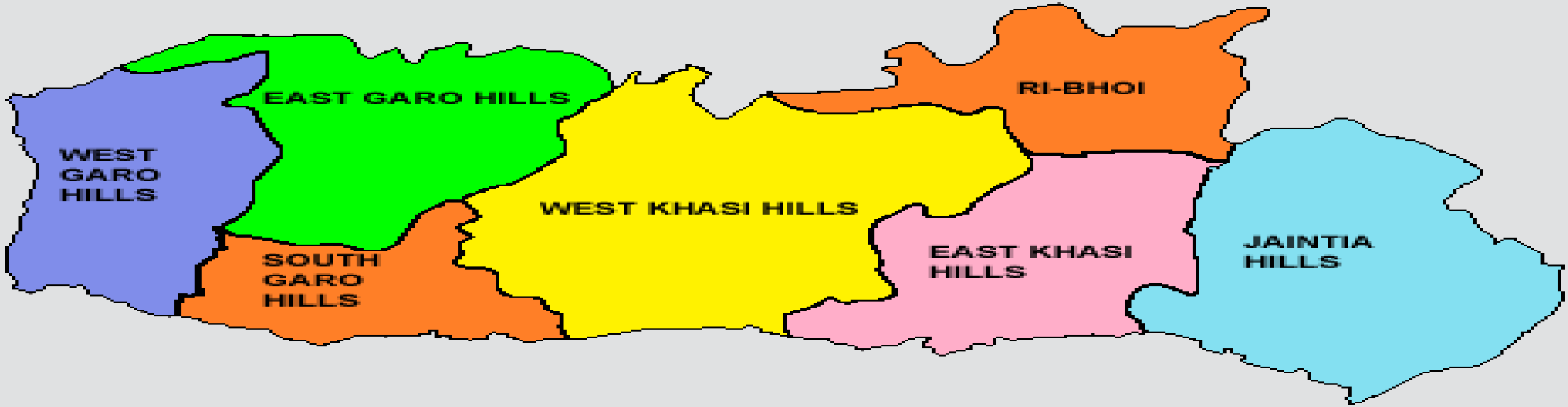
EAST GARO HILLS
RI-BHOI
WEST GARO HILLS
WEST KHASI HILLS
SOUTH GARO HILLS
EAST KHASI HILLS
JAINTIA HILLS

SAFALTA.COM
An Initiative by अमरउजाला

भारत के द्वीप समूह: Islands of India:

भारत के द्वीप मुख्य भूमि के दोनों ओर समुद्र में अनेक द्वीप हैं। द्वीपों का एक समूह बंगाल की खाड़ी में स्थित है। दूसरा द्वीप समूह केरल के मालाबार तट से कुछ दूरी पर अरब सागर में है। बंगाल की खाड़ी के द्वीप समूह को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह कहते हैं जबकि अरब सागर स्थित भारतीय द्वीप समूह को लक्षद्वीप कहा जाता है

The islands of India have many islands in the sea on either side of the mainland. A group of islands are located in the Bay of Bengal. The second island group is in the Arabian Sea, some distance from the Malabar coast of Kerala. The islands of the Bay of Bengal are called Andaman and Nicobar Islands, while the Indian Isles of the Arabian Sea are called Lakshadweep.

अंडमान निकोबार द्वीप समूह–

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह वास्तव में म्यांमार के अराकानयोमा पर्वत का ही बंगाल की खाड़ी में दक्षिणी विस्तार हैं।अंडमान निकोबार के उत्तर में कोको द्वीप हैं।इसे 'मरकत द्वीप' के नाम से भी जाना जाता है।

Andaman and Nicobar Islands

Andaman and Nicobar Islands are actually the southernmost extension of the Arakanayoma Mountains of Myanmar to the Bay of Bengal. To the north of Andaman and Nicobar are the Cocoa Islands. It is also known as the 'Turk Island'.

अंडमान और निकोबार
द्वीप समूह में पर्यटन

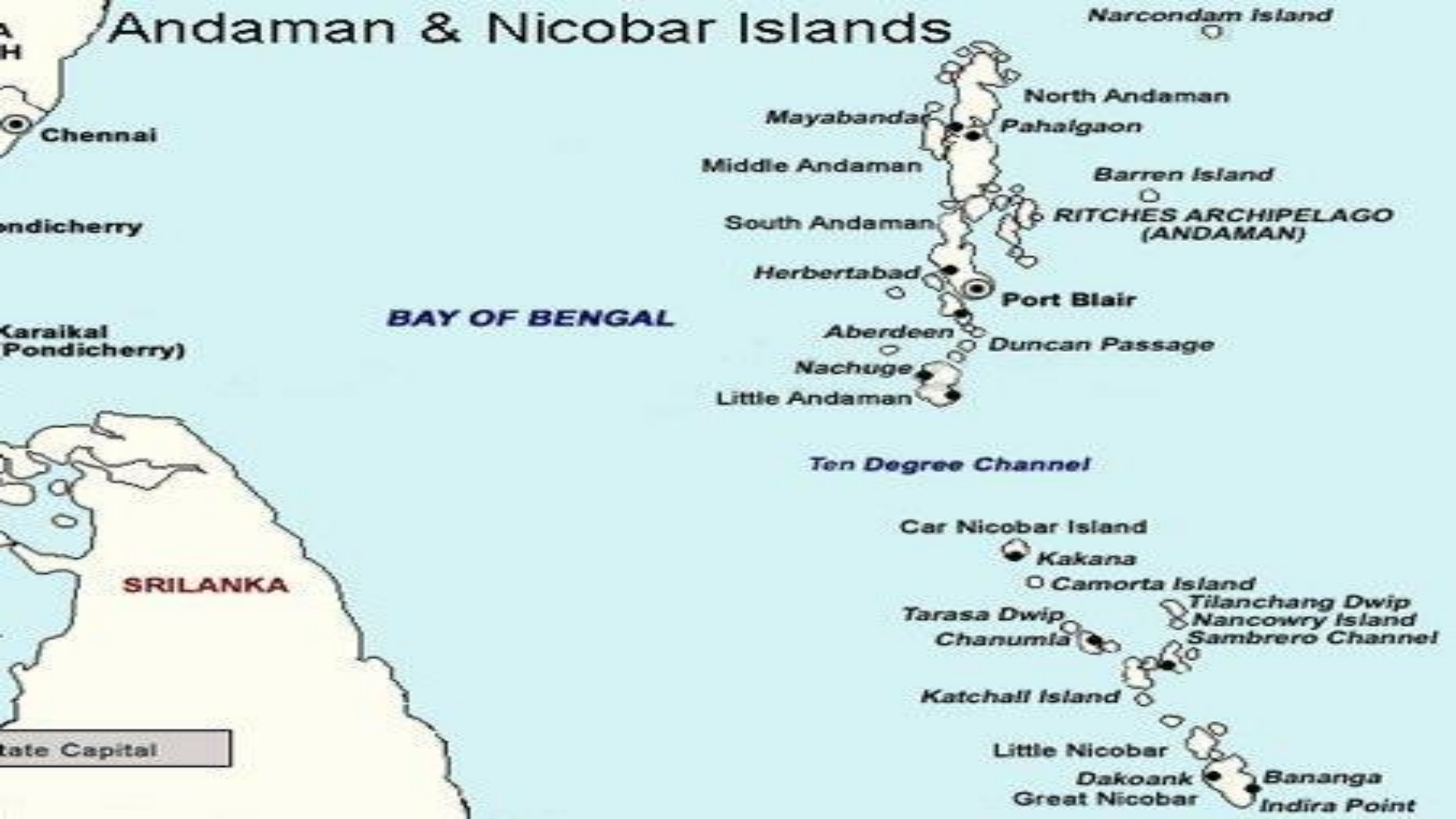
Andaman & Nicobar Islands
Narcondam Island
North Andaman
Mayabanda
Pahalgaon
Middle Andaman
Barren Island
RITCHES ARCHIPELAGO
(ANDAMAN)
South Andaman
Herbertabad
Port Blair
BAY OF BENGAL
Aberdeen
Duncan Passage
Nachuge
Little Andaman
Chennai
ondicherry
Karaikal
(Pondicherry)
Ten Degree Channel
Car Nicobar Island
Kakana
Camorta Island
Tilanchang Dwip
Nancowry Island
Tarasa Dwip
Chanumia
Sambrero Channel
Katchall Island
Little Nicobar
Dakoank
Bananga
Great Nicobar
Indira Point
SRILANKA
tate Capital

Andaman and Nicobar Islands

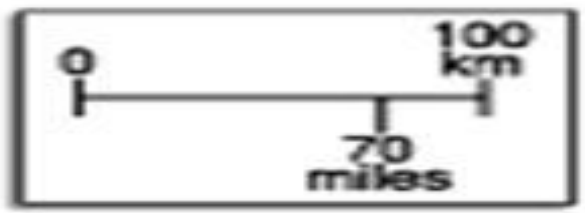

उत्तरी द्वीपों को अंडमान के नाम से जाना जाता है
जबकि दक्षिणी द्वीपों को निकबार के नाम से जाना जाता है।
अंडमान के सबसे उत्तर में 'उत्तरी अंडमान द्वीप' हैं।

The northern islands are known as Andaman while the southern islands are known as Nikbar.
North of Andaman is the 'North Andaman Islands'.

उत्तरी अंडमान के दक्षिण में मध्य अंडमान द्वीप हैं और मध्य अंडमान के दक्षिण में दक्षिणी अंडमान हैं।
और दक्षिणी अंडमान के दक्षिण में लिटिल अंडमान द्वीप है। इन द्वीपों को उत्तर से दक्षिण दिखा में ऐसे देख सकते है–
उत्तरी अंडमान
मध्य अंडमान
दक्षिणी अंडमान
लिटिल अंडमान

To the south of North Andaman are the Middle Andaman Islands and to the south of Middle Andaman are the South Andaman. And to the south of South Andaman is Little Andaman Island. You can see these islands from north to south like this -
North Andaman
Middle Andaman
South Andaman
Little Andaman

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की सबसे ऊंची चोटी ‘सैंडल पीक’ उत्तरी अंडमान में हैं।
‘मध्य अंडमान’ अंडमान निकोबार का सबसे बड़ा द्वीप है।
‘दक्षिणी अंडमान’ द्वीप ओर ही राजधानी ‘पोर्ट ब्लेयर’ हैं।
वहीँ निकोबार द्वीपसमूह का सबसे उत्तरी द्वीप ‘कारनिकोबार है।

The highest peak of the Andaman-Nicobar Islands is 'Sandal Peak' in North Andaman.
'Middle Andaman' is the largest island of Andaman and Nicobar.
The South Andaman Islands are the capital and Port Blair itself.
The northernmost island in the Nicobar archipelago is Carnicobar.

There are 'ten degree channels' between Little Andaman Island (the southernmost of Andaman) and Car Nicobar Island (northernmost of Nicobar). That is, the 'ten degree channel' in broad form lies between the Andaman and Nicobar islands. What is a channel and why was it named 10 degree channel?

लिटिल अंडमान द्वीप (अंडमान का सबसे दक्षिणी) और कार निकोबार द्वीप (निकोबार का सबसे उत्तरी) के बीच मे 'दस डिग्री चैनल' हैं। अर्थात मोटे रूप में 'दस डिग्री चैनल' अंडमान और निकोबार द्वीपों के मध्य में स्थित है। चैनल क्या होता है और इसका नाम 10 डिग्री चैनल ही क्यों रखा गया?

निकोबार द्वीप समूह में ‘कार निकोबार’ और ‘ग्रेट निकोबार द्वीप’ प्रमुख हैं।
‘ग्रेट निकोबार’ निकोबार द्वीप समूह का सबसे दक्षिणी द्वीप है। भारत का सबसे दक्षिणी बिन्दु ‘इंदिरा प्वाइंट’
ग्रेट निकोबार द्वीप’ पर ही स्थित हैं।
अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर नारकोंडम नामक एक सुषुप्त ज्वालामुखी है जबकि ‘बैरनद्वीप’ पर एक सक्रिय ज्वालामुखी है।

'Nicobar' and 'Great Nicobar Island' are prominent in the Nicobar Islands.
Great Nicobar is the southernmost island in the Nicobar Islands.
India's southernmost point 'Indira Point‘ Located on 'Great Nicobar Island'.
There is a latent volcano on the Andaman and Nicobar Islands called Narakondam, while there is an active volcano on 'Bairnandweep'.

लक्षद्वीप– भारत का सबसे छोटा केंद्रशासित प्रदेश इसी द्वीप पर बसा हुआ है। लक्ष्यद्वीप का सबसे बड़ा द्वीप 'आन्द्रोत' हैं।
लक्षद्वीप के दक्षिण में मिनीकॉय द्वीप है।
लक्षद्वीप एक प्रवाल द्वीप हैं अर्थात इसका निर्माण मूंगा चट्टानों से हुआ हैं।

Lakshadweep - India's smallest union territory is located on this island. The largest island of Lakshadweep is 'Androth'. To the south of Lakshadweep is Minicoy Island.
Lakshadweep is a coral island i.e. it is formed from coral reefs.

Lakshadweep
Bitra
Chettlatt
Kilttan
Perumalpar
Amindivi
Agatti
Kadamatt
Andrott
Cardamom
Suheli
Kalpeni
Nine Degree Channel
Minicoy
Eight Degree Channel
8°N
Thiruvananthapuram
Cape Comorin
Doda Be
2637
NILGIR
HILLS
PALGHAT
CARDAMO
HILLS

भारत के अन्य द्वीप- Other Islands of India

SAFALTA.COM
An Initiative by अमर उजाला

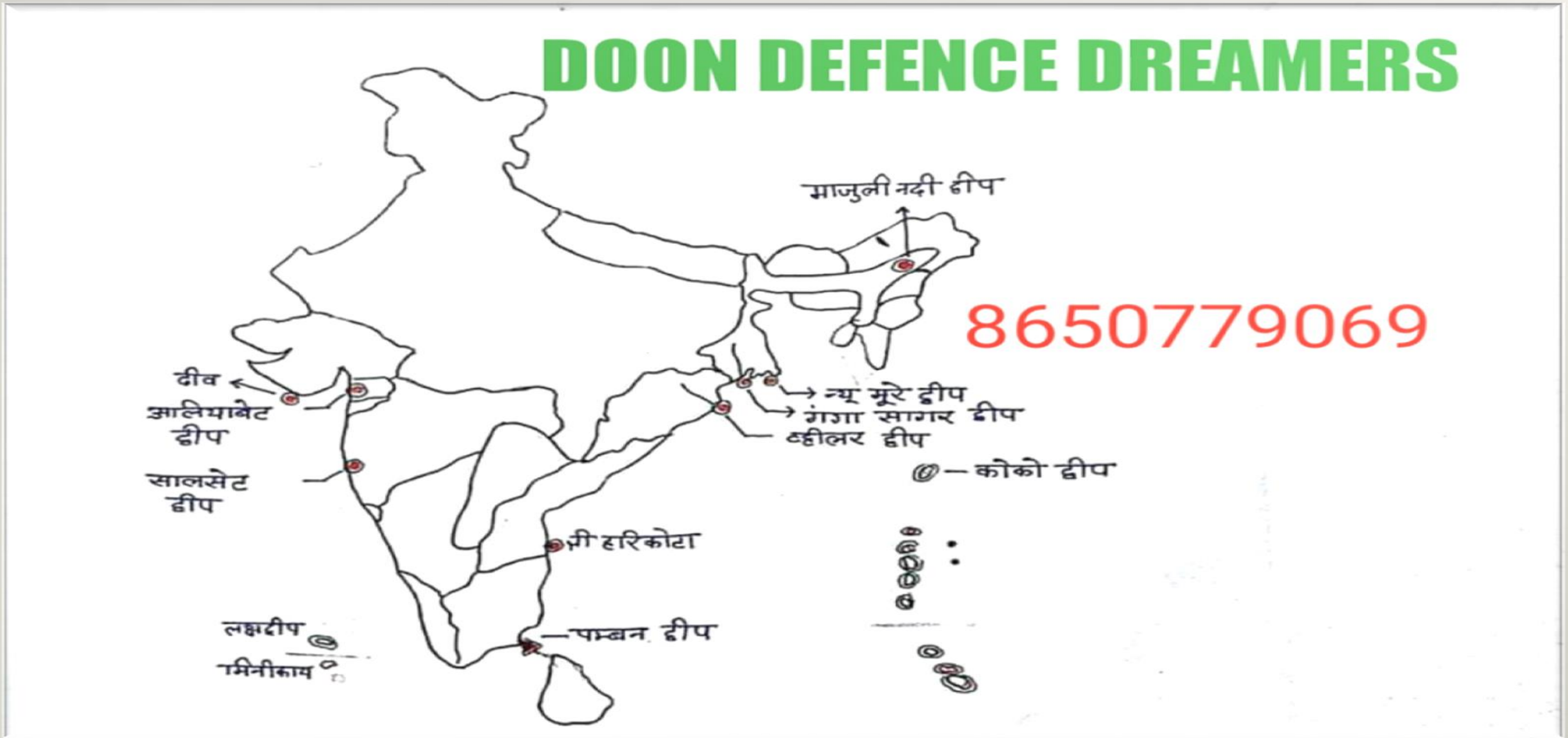

1. गंगा सागर द्वीप और न्यूमूर द्वीप — ये दोनों बंगाल की खाड़ी में हुगली नदी के मुहाने पर स्थित हैं।
2. व्हीलर द्वीप- यह बंगाल की खाड़ी में उड़ीसा के तट पर ब्राह्मणी नदी के मुहाने पर है। इस द्वीप पर मिसाइलों का परीक्षण होता हैं

1. Ganges Sagar Island and Neumur Island - Both of these are located at the mouth of the Hooghly River in the Bay of Bengal.
2. Wheeler Island- It is at the mouth of the Brahmani River on the banks of Orissa in the Bay of Bengal. Missiles are tested on this island.

SAFALTA.COM
Initiative by अमरउजाला

3. श्री हरिकोटा द्वीप- यह आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु की सीमा के पास पुलिकट झील में स्थित हैं। इस द्वीप पर इसरो का उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र (लाँचिंग पैड) हैं जिसका नाम 'सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र है

3. Sri Harikota Island - It is located in Pulicat lake near the border of Andhra Pradesh and Tamil Nadu. The island has a satellite launch center (launching pad) of ISRO named 'Satish Dhawan Space Center

4. Pamban Island- It is located in the 'Gulf of Mannar' between Tamil Nadu and Sri Lanka which is actually the island of Tamil Nadu. Places like Rameswaram and Dhanushkodi are located on the island of Pamban. It is also called ‘Rameswaram Island’. Dhanushkodi is the southernmost tip of the island. Ramsetu or 'Adam's Bridge' starts from Dhanushkodi and goes to the 'island of Talaimannar' in Sri Lanka.

4. पम्बन द्वीप- यह तमिलनाडु और श्रीलंका के मध्य ‘मन्नार की खाड़ी’ में स्थित है जोकि वास्तव में तमिलनाडु का द्वीप है। रामेश्वरम और धनुष्कोड़ी नामक स्थल पम्बन द्वीप पर ही स्थित हैं। इसे ‘रामेश्वरम द्वीप’ भी कहा जाता है। धनुष्कोडी इस द्वीप का सबसे दक्षिणी छोर है। रामसेतु अथवा ‘आदम का पुल’ धनुष्कोडी से ही प्रारंभ होता है और श्रीलंका के ‘तलाईमन्नार द्वीप’ तक जाता है।

धनुष्कोडी से लेकर तलाईमन्नार तक मन्नार की खाड़ी में डूबी हुई द्वीपों की संखला ही 'रामसेतु' कहलाती है। यानी पम्बन द्वीप, रामेश्वरम, धनुष्कोडी और रामसेतु ये सभी मन्नार की खाड़ी में ही स्थित हैं।

The chain of islands submerged in the Gulf of Mannar from Dhanushkodi to Talaimannar is called 'Ram Setu'. That is, Pamban Island, Rameswaram, Dhanushkodi and Ramsetu are all situated in the Gulf of Mannar.

5. Aliabet Island- It is at the mouth of the Narmada River in the Gulf of Khambhat in the south of Gujarat. The island has a stock of petroleum.

6. Elephanta Island - It is in Arbasagar near Mumbai.

7. Kokodwip - It is an island in Myanmar, north of the Andaman islands in the Bay of Bengal, on which China is building its military base.

5. अलियाबेट द्वीप- यह गुजरात के दक्षिण में खम्भात की खाड़ी में नर्मदा नदी के मुहाने पर है। इस द्वीप में पेट्रोलियम का भंडार हैं।

6. एलीफैंटा द्वीप- यह मुम्बई के पास अरबसागर में है।

7. कोकोद्वीप- यह बंगाल की खाड़ी में अंडमान द्वीपों के उत्तर में स्थित म्यांमार का एक द्वीप है जिसपर चीन अपने सैन्यबेस का निर्माण कर रहा है।

प्रवाल जीव और प्रवाल भित्ति

यह दो सेंटी मीटर का एक समुद्री जीव है जो चूने पर निर्वाह करता है। प्रवाल जीव तट के पास छिंछले समुद्र में करोड़ों की संख्या में कॉलोनी बना के रहते हैं। इनका विकास उष्णकटिबंध सागरों में छिंछले समुद्रों में ही होता है जहां सूर्य का प्रकाश पहुंचता है। प्रवाल कैल्शियम कार्बोनेट के खोल में रहते हैं और जब एक प्रवाल की मृत्यु हो जाती है तो उसके ऊपर दूसरा प्रवाल अपने खोल का निर्माण करता है।

Coral fauna and coral reefs

It is a sea centimeter of two centimeters which subsists on lime. The coral fauna resides in a small number of colonies in the shallow sea near the coast. They develop only in shallow seas in the tropical seas where sunlight reaches. The coral resides in the calcium carbonate shell and when one coral dies, another coral forms its shell over it.

In this way, when coral reefs grow to one hundred in number and reach the ocean surface, then huge rock-like 'coral reefs' or 'coral islands' are formed in the sea.
For example, the coral or coral reefs of Lakshadweep, Minicoy Island and the Maldeep islands to its south have been formed.
Similarly, along the east coast of Australia, the Great Barrier Reef (great coral reef) spread thousands of kilometers has also been formed from coral reefs.

इस प्रकार जब प्रवाल करोड़ों की संख्या में एक के ऊपर एक विकास करते हुए सागर सतह तक आ जाते हैं तो समुद्र में विशाल चट्टाननुमा 'प्रवाल भित्तियों' या 'प्रवाल द्वीपों का निर्माण हो जाता है
उदाहरण के लिए लक्षद्वीप, मिनिकॉय द्वीप और उसके दक्षिण में मालदीप द्वीपों का निर्माण मूँगा अथवा प्रवाल चट्टानों सही हुआ है।
इसी प्रकार आस्ट्रेलिया के पूर्वी तट के साथ साथ हजारों किमी फैले 'ग्रेट बैरियर रीफ' (महान प्रवाल भित्ति) का निर्माण भी मूँगा चट्टानों से ही हुआ है।

प्रवालभित्तियों का महत्त्व-

प्रवाल जीव के खोल अर्थात मूंगा चट्टान लाल, गुलाबी, सफेद, हरे रंग के होते हैं। इसके आस पास बहुत सारी मछलियां होती हैं क्योंकि प्रवाल भित्तियां मछलियों और अन्य समुद्री जीवों के लिए 'नर्सरी' का काम करती है जहां इन जीवों का प्रारंभिक विकास होता है और प्रवालभित्तियों में ही समुद्री जीवों को भोजन सुरक्षा और आवास प्राप्त होता है

Importance of benefits-

The shell of coral fauna means coral reefs are red, pink, white, green. There are many fishes around it because the coral reefs serve as 'nurseries' for fishes and other marine organisms where these organisms grow early and in the reefs the sea creatures get food security and habitat.

SAFALTA.COM

These are hotspots for sea divers.
The coral reefs are also called the 'rainforest of the generals' as they are the storehouse of marine biodiversity.

ये समुद्री गोताखोरों के लिए आकर्षण के केंद्र होते हैं।
‘प्रवाल भित्तियों’ को ‘महासगारों का वर्षावन’ भी कहते हैं क्योंकि ये समुद्री जैवविविधता के भण्डार होते हैं।